भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †5274
सोमवार, 03 अप्रैल, 2023/13 चैत्र, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पोल्लाची निर्वाचन क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना

†5274. श्री के. षणमुग सुंदरमः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा पोल्लाची निर्वाचन क्षेत्र के अन्नामलाई, वालपराई और अन्य भागों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की वालपराई में रोप कार खोलने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या इसके लिए व्यवहार्यता सम्बन्धी अध्ययन किया जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) पोल्लाची निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले स्थानों पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय अन्य के साथ-साथ "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार" (डीपीपीएच) तथा "विदेशों में संवर्धन और प्रचार" (ओपीपी) नामक अपनी योजनाओं के तहत विभिन्न पहलों के माध्यम से तमिलनाडु में अन्नामलाई तथा वालपराई सहित भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। यह भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन हेतु "अतुल्य भारत" ब्रांड लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में नियमित रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान जारी करने के साथ-साथ अपनी आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया के ज़रिए भी संवर्धन कार्य करता है।

(ख) से (ग): इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग की शर्त पर राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों आदि

को वित्तीय सहायता प्रदान की है। पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत वर्ष 2016-17 में तटवर्ती परिपथ थीम के अंतर्गत 73.13 करोड़ रु. की राशि से 'चेन्नई - मामल्लापुरम - रामेश्वरम - मनपदु - कन्याकुमारी का विकास' परियोजना को स्वीकृति दी थी और यह परियोजना भौतिक रूप से पूरी हो गई है। पर्यटक स्थलों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटक गंतव्यों के विकास के लिए अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को परिवर्तित किया है और एसडी 2.0 योजना के तहत विकास हेतु तमिलनाडु में 'मामल्लापुरम' और 'नीलगिरि' को चिह्नित किया है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय द्वारा उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत निर्वाचन क्षेत्र-वार निधियों का आवंटन नहीं किया जाता है।

*****